# कवन–4

(भाषा सीखने का नया नज़रिया)

श्रवण कौशल
(Listening Skills)

मौखिक अभिव्यक्ति
कौशल
(Speaking Skills)

पठन कौशल
(Reading Skills)

लेखन कौशल
(Writing Skills)

दृश्य अवलोकन
कौशल
(Viewing Skills)

| | |
|---|---|
| पाठ्यपुस्तक | (Text Book) |
| अभ्यास पुस्तिका | (Work Book) |
| व्याकरण | (Grammar) |
| रचनात्मक लेखन | (Creative writing) |

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
M.A (Gold Medal), M.Ed, Phd

प्रस्तुत पुस्तक तथा इसमें निहित समस्त प्रकाशित सामग्री के कॉपीराइट लेखक के अधीन है। अगर कोई भी व्यक्ति इस पुस्तक का नाम, कवर डिजाइन, अन्य सामग्री आंशिक या पूर्ण रूप से अदल–बदलकर या घुमा–फिराकर अथवा किसी अन्य भाषा में प्रकाशित करने या छापने का प्रयास करेगा, तो वह कानूनी रूप से हर्ज़े–खर्चे व हानि का ज़िम्मेदार होगा। न्यायिक क्षेत्र राजकोट रहेगा।

© COPYRIGHT ALL RIGHT RESERVED

Published by : Kavan Education

द्वितीय संस्करण – 2022

सर्वाधिकार सुरक्षित : लेखकाधीन

**ISBN : 978-93-5361-223-8**

पुस्तक का मूल्य – 549/–

Acknowledgments are due from some of the copyright holders, any omission will be corrected in the future editions.

# पहला पन्ना

'कवन' का अर्थ होता है – 'पानी' जो कि निरंतर बहता रहता है। बिना किसी रुकावट के। भाषा और पानी में यही समानता है कि दोनों बहते रहते हैं। दोनों के मूल में ही बहना है। वैसे भी कहा गया है 'कोस–कोस पर बदले पानी, चार कोस पर बानी।' इसी को ध्यान में रखते हुए इस श्रृंखला का नाम 'कवन' रखा गया है। इस पुस्तक में पाँचों भाषायी कौशल (श्रवण, मौखिक अभिव्यक्ति, पठन, लेखन एवं दृश्य अवलोकन) को शामिल किया गया है। इस पुस्तक को मूल रूप से पाँच भागों में बाँटा गया है –

| | | |
|---|---|---|
| 1 | प्रकरण | (कविता, कहानी, लेख, एकांकी आदि)<br>(पठन एवं लेखन : Reading and Writing) |
| 2 | भाषा और व्याकरण | (पठन एवं लेखन : Reading and Writing) |
| 3 | रचनात्मक लेखन | (लेखन : Writing) |
| 3 | श्रवण कौशल | (Listening) |
| 4 | मौखिक अभिव्यक्ति | (Speaking) |
| 5 | दृश्य अवलोकन कौशल | (Viewing) |

इसके अतिरिक्त पाठ के प्रारम्भ में उसके उद्देश्य (Objective) विचार मंथन (Statement of Inquiry) विचारात्मक प्रश्न (Inquiry Questions) एवं आइए शुरू करें को शामिल किया गया है। पाठ के अंत में स्व मूल्यांकन (Self Assessment) भी दिया गया है, जिससे विद्यार्थी अपने ज्ञान का परीक्षण कर सकें।

डॉ. अमित कुमार सिंह पुन्ढ़ीर
Email : info@kavaneducation.com
info.kavaneducation@gmail.com
Mo. : 9909998226, 9825709211

# 'कवन' में कुछ खास

| | | | |
|---|---|---|---|
| • उद्देश्य | Objectives | :- | प्रकरण प्रारंभ करने से पूर्व उसके उद्देश्यों से परिचित करवाना। |
| • विचार मंथन | Statement of Inquiry | :- | प्रकरण के मुख्य विषय (Theme) पर मंथन। |
| • विचारात्मक प्रश्न | Inquiry Questions | :- | प्रकरण से पूर्व प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों की समझ विकसित करना। |
| • आइए शुरू करें | Let's Begin | :- | प्रकरण प्रारंभ करने से पहले पूर्व भूमिका तैयार करना। |
| • माइंड मैप | Mind Map | :- | संपूर्ण प्रकरण का क्रमवार सारांश |
| • शब्द संपदा | Vocabulary | :- | प्रकरण में आए कठिन शब्दों से विद्यार्थियों को परिचित करवाना। |
| • परिचर्चा | Discussion | :- | इस विभाग के माध्यम से विद्यार्थी कक्षा में चर्चा करेंगे। |
| • साहित्यिक विमर्श | | | इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को हिंदी की अन्य विधाओं तथा साहित्यकारों से परिचित कराने का प्रयास किया है। |
| • परियोजना कार्य | Project Work | :- | इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को शोध करके अपना परियोजना कार्य पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करना। |
| • विचार लेखन | | :- | इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को विविध विभागों के माध्यम से लिखकर अपने विचार अभिव्यक्त करने का अवसर दिया गया है। |
| • विचाराभिव्यक्ति | | :- | इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थी विविध विचारों को मौखिक रूप से अभिव्यक्त कर सकेंगे। |
| • गतिविधि | Activity | :- | इस विभाग के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यक्तिगत अथवा सामूहिक गतिविधि में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना। |
| • स्व मूल्यांकन | Self Assessment | :- | प्रकरण के अंत में विद्यार्थी अपनी समझ का मूल्यांकन स्वयं करेंगे। |
| • मानदंड | Rubrics | :- | विद्यार्थी अपने किए गए कार्य की जाँच मानदंडों के आधार पर करेंगे। |

# अनुक्रमणिका

## गद्य एवं पद्य (Prose and Poetry)


| क्रम | प्रकरण | विधा | भाषायी कौशल (Language Skills) | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1 | माँ मुझको बंदूक दिला दो | कविता | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 01 |
| 2 | सुनहरी चिड़िया | कहानी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 07 |
| 3 | समझ | कहानी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 14 |
| 4 | फल–सब्ज़ी की चौपाल | एकांकी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 20 |
| 5 | तुषार की ईमानदारी | कहानी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 29 |
| 6 | बीरबल का जवाब | कहानी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 35 |
| 7 | गुजरात की अनोखी यात्रा | लेख | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 42 |
| 8 | साहस और हिम्मत | कहानी | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 49 |


## व्याकरण (Grammar)


| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | विराम चिह्न (Punctuation) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 57 |
| 2 | लिंग (Gender) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 59 |
| 3 | वचन (Number) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 63 |
| 4 | संज्ञा (Noun) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 68 |
| 5 | सर्वनाम (Pronoun) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 71 |
| 6 | विशेषण (Adjective) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 75 |
| 7 | अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 79 |
| 8 | विलोम शब्द (Antonyms) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 80 |
| 9 | पर्यायवाची शब्द (Synonyms) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 81 |

| रचनात्मक लेखन (Creative Writings) | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | अनुच्छेद लेखन (Paragraph writing) | लेखन कौशल (Writing Skills) | 83 |
| 2 | अपठित गद्यांश (Unseen Passage) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 87 |
| 3 | चित्र वर्णन (Picture composition) | पठन एवं लेखन कौशल (Reading and Writing Skills) | 98 |

| श्रवण कौशल (Listening Skills) | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | कहानी (Story) | श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills) | 108 |
| 2 | कविता (Poetry) | श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills) | 110 |
| 3 | वार्तालाप (संवाद) (Conversation) | श्रवण एवं लेखन कौशल (Listening and Writing Skills) | 112 |

| मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills) | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | मौखिक अभिव्यक्ति कौशल | मौखिक अभिव्यक्ति कौशल (Speaking Skills) | 115 |

| दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills) | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | दृश्य अवलोकन कौशल | दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing Skills) | 119 |

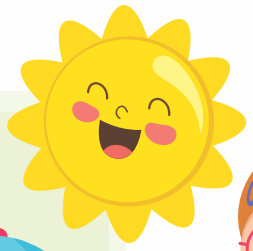

# गद्य एवं पद्य
(Prose and Poetry)

# पठन कौशल
(Reading Skills)

- माँ मुझको बंदूक दिला दो
- सुनहरी चिड़िया
- समझ
- फल–सब्ज़ी की चौपाल
- तुषार की ईमानदारी
- बीरबल के जवाब
- गुजरात की अनोखी यात्रा
- साहस और हिम्मत

# समझ

**उद्देश्य –**

इस अभ्यास को पढ़ने के बाद –

- विद्यार्थी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रेरित होंगे।
- विद्यार्थी उचित अवसर पर सही निर्णय लेने में सफल होंगे।
- विद्यार्थी समझदारी से काम करना सीख सकेंगे।

**विचार मंथन –** (Statement of Inquiry)

- केवल ज्ञान प्राप्त करना ही सब कुछ नहीं होता है। इसके साथ समझ होना जरूरी है।

**विचारात्मक प्रश्न –** (Inquiry Questions)

- जब विद्वान नहीं थे, तब शिक्षा कैसे प्राप्त करते होंगे ?
- अगर विद्यालय न हो तो..... ?
- लोग शिक्षा क्यों लेते हैं ?

**आइए शुरू करें –**

पढ़े–लिखे होने के बाद भी कुछ लोग असफल रहते हैं। इसका कारण होता है – नासमझी। जो विद्या प्राप्त की है, उसका समझ के साथ उपयोग किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। यह बात समझाती हुई इस कहानी का नाम है – समझ।

## समझ

एक शक्तिशाली राजा का एक ही बेटा था। उसका नाम था राजकुमार चंदन। चंदन बहुत ही सीधा–सादा था। महाराज चाहते थे कि वह चतुर और तीव्र बुद्धि वाला हो जाए। उन्होंने दूर–दूर से विद्वानों को बुलाया। उन सब विद्वानों ने राजकुमार को महीनों तक शिक्षा दी। धीरे–धीरे राजकुमार चंदन सब सीख गया। उसने सभी तरह के प्रश्नों के उत्तर याद कर लिए।

तब महाराज ने एक बुद्धिमान व्यक्ति आदर्श को बुलाया, जो चंदन की परीक्षा ले सके। आदर्श ने चंदन से बहुत से प्रश्न पूछे। चंदन ने सभी प्रश्नों का उत्तर ठीक दिया। महाराज बहुत प्रसन्न हुए। आदर्श ने राजा से कहा, 'महाराज, राजकुमार चंदन को भूतकाल की सभी बातों का अच्छा ज्ञान हो गया है। अभी तक जो कुछ हो चुका है, वह राजकुमार जान गए हैं। लेकिन एक बुद्धिमान व्यक्ति को भविष्य का ज्ञान होना भी जरूरी है।'

राजा ने एक विद्वान ज्योतिषी को राजमहल में बुलाया। उन्होंने राजकुमार चंदन को भविष्य जानने की कला सिखाई। उन्होंने चंदन को सिखाया कि कैसे एकाग्रचित होकर ध्यान लगाया जाता है। कैसे एक अनजान वस्तु के बारे में पता लगाया जाता है।

इस तरह कई महीने बीत गए। जब ज्योतिषी ने सभी बातें राजकुमार चंदन को सिखा दीं, तब राजा ने आदर्श को फिर बुलाया। आदर्श से कहा गया कि वह चंदन की एक बार फिर परीक्षा ले।

आदर्श ने अपनी मुट्ठी में एक वस्तु रखी। उन्होंने सभी दरबारियों को एक–एक करके अपनी मुट्ठी खोलकर दिखाई कि उसमें क्या है? महाराज ने भी देखा कि आदर्श ने मुट्ठी में क्या रखा है।

अंत में आदर्श राजकुमार चंदन के पास आए और बोले, 'राजकुमार, अब आप अपनी विद्या का प्रयोग करके बताएँ कि मेरी मुट्ठी में क्या है?' चंदन ने एकाग्रचित होकर ध्यान लगाया। बहुत सोचने के बाद वह बोला, 'आपकी मुट्ठी में जो वस्तु है वह कठोर है और गोल भी है।'

आदर्श ने कहा, 'बिल्कुल ठीक।' सुनकर महाराज प्रसन्न हुए।

राजकुमार फिर बोला, 'यह वस्तु सफेद रंग की है और इसके बीचों–बीच एक छेद है।' आदर्श खुश होकर बोले, 'ठीक कहा राजकुमार, अब

आप इस वस्तु का नाम बताएँ।' राजकुमार ने कहा, 'मैं समझ गया कि यह वस्तु कौन–सी है। आपकी मुट्ठी में चक्की का पाट है।' जैसे ही दरबारियों ने यह सुना वे अपनी हँसी रोक नहीं पाए। यह उत्तर सुनकर महाराज को बड़ी निराशा हुई। इतना बड़ा चक्की का पाट किसी की मुट्ठी में भला कैसे आ सकता था! राजकुमार ने जो कुछ सीखा था, उसे इस्तेमाल तो किया लेकिन उसके साथ अपनी बुद्धि का प्रयोग नहीं किया।

तब आदर्श ने अपनी मुट्ठी खोलकर राजकुमार को दिखाई और उनकी मुट्ठी में निकला एक सफेद मोती। आदर्श ने महाराज से कहा, 'महाराज, केवल शिक्षा पाना या सीखना ही काफी नहीं है। उसे प्रयोग में लाने के लिए बुद्धि का प्रयोग करना भी बहुत ज़रूरी है। एक बुद्धिमान व्यक्ति के पास शिक्षा और समझ दोनों होनी चाहिए।'

साभार – www.motivationalstoriesinhindi.in

(Mind Map)

एक राजा का सीधा–सादा बेटा था। → राजा चाहते थे कि चतुर और बुद्धिमान बने। इसलिए उनकी शिक्षा व्यवस्था करवाई। → परीक्षा में राजकुमार सफल हुए। → भविष्य का ज्ञान दिलाने के लिए ज्योतिषी को बुलाया गया। → भविष्य के ज्ञान के बारे में परीक्षा ली गई। → इस प्रकार राजकुमार ने समझ का उपयोग नहीं किया और असफल रहे।

## शब्द संपदा

| | | |
|---|---|---|
| तीव्र बुद्धि | – | अति बुद्धिमान |
| एकाग्रचित | – | मन का पूरी लगन से एक ही कार्य में जुट जाना। |
| कठोर | – | सख़्त |
| इस्तेमाल | – | उपयोग, प्रयोग |
| चक्की का पाट | – | अनाज पीसने के लिए प्रयोग में आने वाला गोल पत्थर |
| शक्तिशाली | – | ताकतवर |
| भविष्य | – | भविष्य में होने वाली वह बात जो पहले से किसी ने कह दी। |
| आदर्श | – | श्रेष्ठ |
| शिक्षा | – | पढ़ाई–लिखाई, ज्ञान |
| प्रसन्न | – | खुश |
| दरबारी | – | राज सभा का सदस्य |

**प्रश्न – 1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :**

क – राजा के बेटे का नाम क्या था ?

ख – महाराज की क्या इच्छा थी ?

ग– महाराज ने आदर्श को क्यों बुलाया था ?

घ– आदर्श ने पहली बार महाराज को क्या बताया ?

ङ– आदर्श ने मुट्ठी में सबको क्या दिखाया ?

च– चंदन के उत्तर से क्या सिद्ध होता है ?

छ– महाराज निराश क्यों हुए ?

**प्रश्न –2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।**

क– राजा ने दूर–दूर से _____ को बुलाया।

ख– ज्योतिषी ने राजकुमार को _____ जानने की शिक्षा दी।

ग– चंदन ने _____ बार परीक्षा दी थी।

घ– राजकुमार ने ज्ञान का _____ प्रयोग किया लेकिन _____ प्रयोग नहीं किया।

ङ– जिस व्यक्ति के पास _____ और _____ दोनों हो, वही बुद्धिशाली कहलाता है।

**प्रश्न –3 पाठ से ढूँढ़कर एक शब्द लिखिए।**

क– पूरी लगन के साथ मन को एक ही कार्य में जोड़ने की क्रिया

ख– ज्योतिष जानने वाला

ग– जो बीत चुका है।

घ– इच्छा पूरी न होने से होने वाला दुख

**प्रश्न –4 लिंग पहचानिए।**

परीक्षा _____

विद्वान _____

मोती _____

विद्या _____

**प्रश्न –5 निम्नलिखित शब्दों का वाक्य–प्रयोग कीजिए –**

1– बुद्धिमान – _____

_____

2– समझदारी – _____

_____

3– शक्तिशाली – _____

_____

## परिचर्चा

'शिक्षा जीवन का आधार है' इस विषय पर समूह में चर्चा कीजिए।

## कहानी के साथ–साथ

'चार मित्र' कहानी पढ़िए।

## परियोजना कार्य

'गुरु और शिष्य' के बीच संबंध इस विषय पर दस–बारह वाक्यों में अनुच्छेद लिखिए।

## विचार लेखन

बुद्धि के प्रयोग से आपको जिन–जिन कार्यों में सफलता मिली है। लिखिए।

## विचाराभिव्यक्ति

वर्तमान में शिक्षा एक व्यवसाय बन गया है। इस बात पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

## गतिविधि

महान बनने के लिए कौन–कौन से गुण होने चाहिए? लिखिए।

**स्वमूल्यांकन** (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं पाठ को भली–भाँति समझ चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 2 | मैं पाठ में दर्शायी घटनाओं को क्रमवार रूप से लिख सकता/सकती हूँ। | | | |
| 3 | पाठ के विषय में मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति कर सकता/सकती हूँ। | | | |

# व्याकरण एवं शब्दावली
## (Grammar and Vocabulary)

- विराम चिह्न (Punctuation)
- लिंग (Gender)
- वचन (Number)
- संज्ञा (Noun)
- सर्वनाम (Pronoun)
- विशेषण (Adjective)
- अनेक शब्दों के लिए एक शब्द (One word substitution)
- विलोम शब्द (Antonyms)
- पर्यायवाची शब्द (Synonyms)

# विराम चिह्न (Punctuation)

विराम चिह्न के द्वारा किसी भी बात को सरलता से समझा जाता है।

देखिए – तुम बोलो, मत चुप रहो।
तुम बोलो मत, चुप रहो।

**कृपया ध्यान दीजिए –** यहाँ पर दोनों वाक्यों में विराम के स्थान बदल गए हैं। इस कारण उसका अर्थ भी बदल गया है।

पहले वाक्य में बोलने के लिए कहा गया है, जबकि दूसरे वाक्य में चुप रहने के लिए कहा गया है।

अतः हम कह सकते हैं कि वाक्यों को बोलते या लिखते समय रुकने या ठहरने के लिए जिन चिह्नों का प्रयोग किया जाता है, उसे विराम चिह्न कहते हैं।

कुछ विराम – चिह्न इस प्रकार हैं –

1– **पूर्ण विराम** (।) – वाक्य के अंत में लगाया जाता है।

जैसे – कल रविवार है।

2– **अल्प विराम** (,) – थोड़ा–सा रुकने के लिए।

जैसे – गुजरात, बिहार, केरल तथा असम भारत के राज्य हैं।

3– **आश्चर्य चिह्न (विस्मयादिबोध)** (!) – आश्चर्य, नफ़रत, शोक, आदि को प्रकट करने के लिए।

जैसे – अरे! तुम आ गए!

4– **प्रश्नवाचक चिह्न** (?) – प्रश्न पूछने या लिखने के लिए।

जैसे – उसका नाम क्या है?

## अभ्यास

**क– सही विकल्प चुनिए**

1– प्रश्न पूछने के लिए कौन–से चिह्न का प्रयोग किया जाता है।
क– पूर्ण विराम ख– प्रश्नवाचक चिह्न

2– विस्मय तथा दुख के लिए प्रयुक्त होता है।
क– अल्प विराम ख– आश्चर्य चिह्न

3– वाक्य के अंत में लगाया जाता है।

क– पूर्ण विराम ☐ ख– अल्प विराम चिह्न ☐

4– थोड़ा रुकने के लिए किस चिह्न का प्रयोग किया जाता है ?

क– पूर्ण विराम ☐ ख– अल्प विराम चिह्न ☐

**ख– निम्नलिखित चिह्नों के नाम लिखिए।**

, – _____ ! – _____

। – _____ ? – _____

**ग– वाक्यों में प्रयुक्त विराम–चिह्नों को सही करके वाक्य फिर से लिखिए –**

1– मैं तो जाने वाला नहीं हूँ?

_____

2– वाह। शाबाश। तुमनें तो कमाल कर दिया।

_____

3– तुम खाने में क्या लोगे,

_____

4– विराट, धोनी और रोहित किकेट खेलने जा रहे हैं।

_____

**स्वमूल्यांकन** (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं पूर्ण विराम और अल्प विराम चिह्न के बारे में जान चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 2 | मैं आश्चर्य चिह्न और प्रश्नवाचक चिह्न के बारे में जान चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 3 | मैं वाक्य में इन सभी विरामचिह्नों का उपयोग कर सकता/सकती हूँ। | | | |

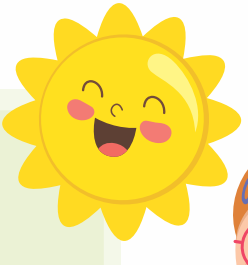

# रचनात्मक लेखन
## (Creative Writings)

- **अनुच्छेद लेखन (Paragraph Writings)**
- **अपठित गद्यांश (Unseen Passage)**
- **चित्र वर्णन (Picture Composition)**

# अनुच्छेद लेखन (Paragraph Writing)

**उद्देश्य –**

- विद्यार्थी अनुच्छेद लेखन से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी एक प्रभावकारी अनुच्छेद लिखने में सक्षम होंगे।
- विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता को बढ़ाना।
- विद्यार्थी अनुच्छेद लेखन के मानदंडों को समझ सकेंगे।

अनुच्छेद लेखन में किसी वाक्य, विचार, अनुभव या दृश्य को कम से कम शब्दों में लिखना होता है। छोटे–छोटे वाक्य अनुच्छेद लेखन की विशेषता है। अनुच्छेद लिखते समय निम्नलिखित बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- विषय को ध्यान से पढ़िए।
- विषय के बारे में क्रम निर्धारित करें कि पहले क्या लिखना है, फिर क्या लिखना है अंत में क्या।
- लेखन का आरंभ विषय से करें। किसी भूमिका की आवश्यकता नहीं है।
- भाषा सरल, स्पष्ट और शुद्ध होनी चाहिए।
- अनुच्छेद में रोचकता बनाए रखनी चाहिए।
- लिखे हुए अनुच्छेद को फिर से एक बार पढ़ें।
- विषय के अनुरुप उचित शब्दभंडार का उपयोग करें।
- अंत में अपनी राय तथा भाव लिखें।

**एक उदाहरण**

## मेरा प्यारा त्योहार

आज रक्षाबंधन है। घर में सब लोग बहुत खुश हैं। यह भाई–बहन के प्यार का त्योहार है। आज मेरी बहन सबसे पहले जाग गई और नहा–धोकर उसने नए कपड़े पहने। सभी लोग मुझे भी जल्दी–जल्दी तैयार होने के लिए कहने लगे। मेरी बहन कल ही मेरे लिए बाज़ार से अच्छी–सी राखी लाई। राखी में मेरा प्रिय कार्टून छोटा भीम बना हुआ है। माँ ने अच्छे–अच्छे पकवान बनाए हैं। मेरी बहन ने मुझे तिलक लगाया, आरती की और राखी बाँधकर मिठाई खिलाई। मैंने भी उसे उपहार में गुड़िया दी। यह मेरा सबसे प्यारा त्योहार है।

सरल वाक्य

उचित शब्दभंडार

उचित विवरण

## 5– मेले में बिताया एक दिन

---

---

---

---

---

---

---

---

---

---

## अनुच्छेद लेखन के मानदंड

| | सदैव | अधिकतर | कभी–कभी | सुधार की आवश्यकता |
|---|---|---|---|---|
| **विषयवस्तु** | विषयवस्तु की पूर्ण जानकारी तथा स्पष्टता के साथ उचित विस्तार। | विषयवस्तु की सामान्य जानकारी के साथ विस्तार। | विषयवस्तु की सामान्य जानकारी। | विषयवस्तु की कमी के साथ विस्तार। |
| **व्याकरणिक शुद्धता** | विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ सरल, सहज, तथा शुद्ध वाक्य रचना। | विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ शुद्ध वाक्य रचना। | वर्तनी की आंशिक गलतियों के साथ विराम चिह्नों में त्रुटियाँ। | वर्तनी की अधिक त्रुटियों के साथ वाक्य रचना। |
| **कार्य प्रस्तुति** | विचार प्रवाह तथा उचित शब्द–भंडार के साथ प्रभावकारी प्रस्तुति। | शब्द भंडार के साथ उचित प्रस्तुति। | विचार प्रवाह के साथ सामान्य प्रस्तुति | प्रस्तुति में विचार प्रवाह एवं शब्द–भंडार का पूर्णतः अभाव |

**स्वमूल्यांकन** (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं अनुच्छेद लेखन के महत्व को समझ चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 2 | मैं अनुच्छेद लेखन के प्रारूप को समझ सकता/सकती हूँ। | | | |
| 3 | मैं अनुच्छेद लिख सकता /सकती हूँ। | | | |

## अपठित गद्यांश –3

संबंध –समझ

झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई को घुड़सवारी के साथ–साथ घोड़ों की भी अच्छी परख थी। एक बार घोड़ों का व्यापारी रानी के दरबार में आया। उसके पास एक जैसे दिखने वाले दो घोड़े थे। उसे विश्वास था कि रानी दोनों घोड़ों का एक दाम लगाएँगी। मगर रानी ने कुछ देर देखने के पश्चात एक घोड़े का दाम एक हज़ार और दूसरे घोड़े का दाम मात्र पचास रुपए लगाया। व्यापारी ने आश्चर्यचकित होकर रानी से पूछा, ''रानी जी, दोनों घोड़ों की शक्ल, रंग, कद–काठी में कोई फर्क नहीं है, फिर भी आपने दाम में इतना फर्क क्यों कर दिया?'' रानी ने कहा, ''जिस घोड़े का दाम मैंने पचास रुपए लगाया है, वह स्वस्थ नहीं है, लगता है किसी रोग का शिकार है और उसकी उम्र भी कम है।'' रानी की सूझ–बूझ और बुद्धिमानी को देखकर व्यापारी बहुत प्रभावित हुआ।

**क– नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

1– व्यापारी क्या लेकर दरबार में आया ?

2– दोनों घोड़ों में क्या समानताएँ थीं ?

3– रानी ने दोनों घोड़ों का क्या दाम लगाया ?

4– रानी ने दोनों घोड़ों की कीमत में अंतर क्यों रखा ?

5– व्यापारी रानी की किस बात से प्रभावित हुआ ?

**ख– गद्यांश में से ढूँढ़कर अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–**

1– सामान खरीदने–बेचने वाला

2– घोड़े की सवारी करना 3– राजा का महल

**ग– गद्यांश में से ढूँढ़कर समानार्थी शब्द लिखिए –**

1– मूल्य 2– हैरान

3– अंतर 4– आयु

**घ– गद्यांश में से ढूँढ़कर विलोम शब्द लिखिए –**

1– अस्वस्थ 2– अविश्वास

3– अप्रभावित 4– बुरी

## अपठित गद्यांश के मानदंड

| | सदैव | अधिकतर | कभी–कभी | सुधार की आवश्यकता |
|---|---|---|---|---|
| **पठन एवं अर्थग्रहण** | गद्यांश को समझकर उसके उचित अर्थबोध करने में सक्षम। | गद्यांश को सही ढ़ंग से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित। | गद्यांश को आंशिक रुप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित। | गद्यांश को आंशिक रुप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध अस्पष्ट। |
| **व्याकरणिक शुद्धता** | विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ सरल, सहज, तथा शुद्ध वाक्य रचना। | विराम चिह्नों के प्रयोग के साथ शुद्ध वाक्य रचना। | वर्तनी की आंशिक गलतियों के साथ विराम चिह्नों में त्रुटियाँ। | वर्तनी की अधिक त्रुटि के साथ वाक्य रचना। |
| **कार्य प्रस्तुति** | अपनी भाषा के साथ प्रभावकारी प्रस्तुति। | अपनी भाषा के साथ उचित प्रस्तुति। | अपनी भाषा के साथ सामान्य प्रस्तुति। | गद्यांश से सीधे–सीधे उत्तर उतारना। |

**स्वमूल्यांकन** (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं गद्यांश को पढ़कर समझने में सक्षम हूँ। | | | |
| 2 | मैं गद्यांश के उत्तर अपनी भाषा में लिख सकता/सकती हूँ। | | | |
| 3 | उदाहरण रूपी गद्यांश के माध्यम से अपठित गद्यांश संबंधी मेरी समझ विकसित हुई है। | | | |
| 4 | मानदंड के आधार पर मैं अपने द्वारा लिखे कार्य का मूल्यांकन कर सकता /सकती हूँ। | | | |

# श्रवण कौशल
## (Listening Skills)

- **कहानी** (Story)
- **कविता** (Poem)
- **वार्तालाप (संवाद)** (Conversation)

## कहानी

**अब आप एक कहानी सुनेंगे। कहानी के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

**1– रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –**

(धर्मपंडित, खरगोश, छत, पेड़)

1.1 – _____ पर चिड़ा रहता था।

1.2 – _____ ने घोंसले पर अधिकार जमा लिया था।

1.3 – चिड़े ने किसी _____ के पास जाने की बात की।

1.4 – चिड़ा _____ के लिए दूसरी जगह पर गया।

क– भोजन (  )  ख– लकड़ी (  )  ग– पत्तों (  )

1.5 – कहानी में _____ पात्र हैं ?

क– दो (  )  ख– तीन (  )  ग– चार (  )

1.6 – चिड़े को वापस आने में _____ का समय लगा।

क– एक दिन (  )

ख– बहुत दिन (  )

ग– कुछ दिन (  )

1.7 – दोनों खुश हो गए, क्योंकि –

क– बिल्ली ने मदद करने की बात की (  )

ख– बिल्ली ने फैसला सुना दिया (  )

ग– समस्या सुलझ गई थी (  )

**निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए –**

1.8– कहानी में कौन–सी समस्या है ?

_____

_____

1.9– दोनों बिल्ली के पास क्यों गए ?

_____

_____

1.10– कहानी का उचित शीर्षक दीजिए।

_____

_____

## श्रवण कौशल के मानदंड

| मानदंड | सदैव | अधिकतर | कभी–कभी | सुधार की अति आवश्यकता |
|---|---|---|---|---|
| **घटनाक्रम की क्रमानुसार प्रस्तुति** | सुनाई गई प्रस्तुति की सभी घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम | सुनाई गई प्रस्तुति की अधिकतर घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम | सुनाई गई प्रस्तुति की कुछ घटनाओं को क्रमानुसार प्रस्तुत करने में सक्षम | सुनाई गई प्रस्तुति की एक–दो घटनाएँ ही याद हैं वो भी क्रम में नहीं। |
| **शांति एवं सजगता से सुनने की क्षमता** | संपूर्ण प्रस्तुति को ध्यान से सुनने की क्षमता | संपूर्ण प्रस्तुति में एक–दो स्थान पर ध्यान भटका था। | संपूर्ण प्रस्तुति में तीन–चार बार ध्यान भटका था। | संपूर्ण प्रस्तुति में बारम्बार ध्यान भटकता रहा। |
| **मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान** | मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पूर्णतया पहचान करने में सक्षम | मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की अधिकांशतः पहचान करने में सक्षम | मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की आंशिक पहचान करने में सक्षम | मुख्य विचार, सामान्य एवं विशिष्ट जानकारी की पहचान करने में असफल |
| **भाषा एवं शब्दावली का उचित प्रयोग** | उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का विशिष्ट प्रयोग | उत्तर अपनी भाषा में लिखना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग | उत्तर अपनी भाषा में न लिखकर प्रस्तुति की भाषा का प्रयोग करना एवं शब्दावली आदि का सामान्य प्रयोग | प्रस्तुति की भाषा को ज्यों का त्यों का उतार देना एवं अति साधारण शब्दावली का प्रयोग |

**स्वमूल्यांकन** (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं श्रवण कौशल पर आधारित प्रश्नों को हल करने में सक्षम हूँ। | | | |
| 2 | मैं श्रवण संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 3 | मैं उत्तर लिखते समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता हूँ। | | | |
| 4 | मैं प्रस्तुति के मुख्य विषय एवं विशिष्ट उद्देश्यों की पहचान कर सकता/सकती हूँ। | | | |
| 5 | मानदंड के आधार पर मैं अपनी श्रवण प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता/सकती हूँ। | | | |

# मौखिक अभिव्यक्ति कौशल

(Oral Expression Skills / Speaking skills)

## मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 2

दिए गए चित्र में सभी आपस में क्या बात कर रहे होंगे ?
सोचकर अपने सहपाठी के साथ चर्चा करो।

## मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 3

चित्र का परीक्षण करके एक कहानी सुनाइए।

## मौखिक अभिव्यक्ति कौशल – 4

मौखिक परीक्षण के अभ्यास हेतु कुछ विषय–

1– विद्यालय का पहला दिन

2– जीवन में पेड़ों का महत्त्व

3– मेरा मनपसंद त्योहार

4– बारिश के लाभ

5– किताब मेरी दोस्त

6– अगर मुझे खज़ाना मिल जाए ...

7– पशु–पक्षी के बिना की दुनिया

8– अगर परीक्षाएँ न हो तो.....

9– चिड़ियाघर की सैर

10– इंटरनेट मेरा साथी

## मौखिक अभिव्यक्ति के मानदंड

| मानदंड | सदैव | अधिकतर | कभी–कभी | सुधार की आवश्यकता |
|---|---|---|---|---|
| बोधगम्यता | प्रस्तुति के सभी मुद्दे समझ में आए। | प्रस्तुति के अधिकतर मुद्दे समझ में आए। | प्रस्तुति के कुछ विचार और विवरण स्पष्ट थे। | प्रस्तुति के अधिकांश विचार और विवरण अस्पष्ट थे। |
| भाषा और वाक्य रचना | विवरण में संयुक्त वाक्यों का प्रयोग एवं विचारों में क्रमकिता | विवरण में सरल वाक्यों का प्रयोग एवं विचारों में क्रमकिता | विवरण करते समय वाक्य रचना शिथिल। एवं विचारों में कहीं–कहीं क्रमकिता का अभाव | विवरण करते समय वाक्य एक दूसरे से जुड़े हुए नहीं थे। विचारों में क्रमकिता का अभाव |
| भाषा, शब्दावली का प्रयोग | व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों एवं मुहावरों का प्रयोग। दोहराव नहीं। | व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कहीं–कहीं पर दोहराव। | बुनियादी व्याकरण एवं कुछ नए शब्दों, वाक्यांशों का प्रयोग। कई स्थानों पर दोहराव। | बुनियादी व्याकरण एवं नए शब्दों, वाक्यांशों का अभाव। कई स्थानों पर दोहराव। |
| प्रवाहिता एवं आधार | एक–दो बार ही नोट्स देखे। प्रस्तुति में कोई ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच नहीं। | कई बार नोट्स देखे। प्रस्तुति में कुछ ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच। | अक्सर नोट्स पर निर्भर। प्रस्तुति में बार–बार ध्यान देने योग्य ठहराव या संकोच | बिना नोट्स पढ़े बोलने में असमर्थ। |

## स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

| क्रम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं मौखिक अभिव्यक्ति कर सकने में सक्षम हूँ। | | | |
| 2 | मैं मौखिक अभिव्यक्ति संबंधी निर्देशों को समझ चुका/चुकी हूँ। | | | |
| 3 | मैं प्रस्तुति करते समय समय उचित भाषा एवं शब्दावली का प्रयोग कर सकता/सकती हूँ। | | | |
| 4 | मैं प्रस्तुति के विषय को समझकर नोट्स बनाने में सक्षम हूँ। | | | |
| 5 | मानदंड के आधार पर मैं अपनी श्रवण प्रस्तुति का मूल्यांकन कर सकता / सकती हूँ। | | | |

# दृश्य अवलोकन कौशल
## (Viewing Skills)

# भाषायी कौशल (Language Skills)

## दृश्य अवलोकन कौशल (Viewing skills)

हम एक ऐसी डिजीटल दुनिया में रह रहे हैं जहाँ हम चारों ओर से मोबाइल, कैमरा, इंटरनेट आदि से घिरे हुए हैं। अतः अब भाषा में चार कौशलों के साथ एक कौशल और आ गया है जिसे हम दृश्य अवलोकन कौशल कह सकते हैं।

दृश्य अवलोकन कौशल के उद्देश्य–

- विद्यार्थियों अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में निरीक्षण शक्ति का विकास करना।
- विद्यार्थियों में विश्लेषण क्षमता का विकास करना।
- विद्यार्थियों में कल्पनाशीलता का विकास करना।

दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की विधियाँ– दृश्य अवलोकन कौशल के विकास की अनेक विधियाँ हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं।

1– चित्र/तस्वीर दिखाकर
2– आकृति/प्रतीक दिखाकर
3– वीडियो दिखाकर
4– फिल्म/विज्ञापन दिखाकर
5– चित्रों से कहानी बनाकर
5– अलग–अलग चित्रों में अंतर ढूँढ़कर

### दृश्य अवलोकन कौशल – 1

दिए गए चित्र का अवलोकन करते हुए किन्हीं आठ गलतियों पर गोला कीजिए।

## दृश्य अवलोकन कौशल के मानदंड

| मानदंड | सदैव | अधिकतर | कभी–कभी | सुधार की आवश्यकता |
|---|---|---|---|---|
| अवलोकन | चित्र/दृश्य का अच्छी तरह से अवलोकन किया है। | चित्र/दृश्य का अवलोकन किया है। | चित्र/दृश्य का आंशिक रूप से अवलोकन किया | चित्र/दृश्य का अवलोकन करते समय बहुत सी बातों की ओर ध्यान नहीं दिया। |
| समझ एवं तार्किकता | चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ प्रभावकारी प्रस्तुति | चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति और काल खंड को ध्यान में रखकर तार्किकता के साथ सामान्य प्रस्तुति | चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को समझकर की गई प्रस्तुति | चित्र/दृश्य में दर्शायी गई स्थिति को बिना समझे की गई प्रस्तुति |
| पठन एवं अर्थग्रहण | चित्र/दृश्य को समझकर उसका उचित अर्थबोध करने में सक्षम। | चित्र/दृश्य को सही ढंग से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित। | चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध सीमित। | चित्र/दृश्य को आंशिक रूप से समझने में सक्षम किंतु अर्थबोध अस्पष्ट। |

## स्वमूल्यांकन (Self Assessment)

| कम | मूल्यांकन के विषय | मुझे पूरी तरह समझ में आ गया है। | मुझे थोड़ा समझ में आ गया है। | थोड़ी सहायता की आवश्यकता है। |
|---|---|---|---|---|
| 1 | मैं चित्र / दृश्य का सही प्रकार से अवलोकन कर सकता / सकती हूँ। | | | |
| 2 | मैं चित्र / दृश्य को देखकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकता / सकती हूँ। | | | |
| 3 | मानदंड के आधार पर मैं चित्र / दृश्य का मूल्यांकन कर सकता / सकती हूँ। | | | |